VN – 05

B.A. B.Ed. (Semester – V) Examination, October/November 2017
HINDI (Paper – V)
Hindi Sahitya : Aadikaal Evam Bhaktikal

Duration : 2 Hours | Total Marks : 70

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के लघुत्तर लिखिए : (3×5=15)
   i) आदिकालीन समाज की वर्ण व्यवस्था पर प्रकाश डालिए ।
   ii) स्वयंभू का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
   iii) नाथ काव्य की किन्हीं दो विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।
   iv) कबीर स्वयं को दुखी और संसार को सुखी क्यों बताते हैं ?
   v) 'तन में मन में नैन में, ताको कहाँ संदेस' – उक्ति का अभिप्राय समझाइए ।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के लघुत्तर लिखिए : (3×5=15)
   i) हिंदू-मुस्लिम सांस्कृतिक समन्वय में हिंदी संत कवियों का क्या योगदान रहा हैं ?
   ii) मीराबाई का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
   iii) सूफी काव्य की किन्हीं दो विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।
   iv) परमात्मा रूपी पिया को रिझाने के लिए कबीर की आत्मा क्या करती है ?
   v) निंदक के बारे में कबीर के विचार लिखिए ।

3. अ) निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए । 5

   i) मन ना रँगाए रँगाए जोगी कपडा ।
   आसन मारि मंदिर में बैठे
   ब्रह्म – छाँडि पूजन लागे पथरा ।।
   कनवा फडाय जटवा बढौले
   दाढ़ी बढ़ाय जोगी होई गैले बकरा ।
   जंगल जाय जोगी धुनिया रमौले
   काम जराय जोगी होय गैले हिजरा ।।
   मथवा मुंडा जोगी कपडा रंगौले,
   गीता बाँच होय गैले लबरा ।
   कहहिं कबीर सुनो भई साधो,
   जम दरवजवा बाँधल जैबे पकडा ।

अथवा

ii) साधो, सो सतगुरू मोहिं भावे ।

सत्त प्रेम का भर प्याला, आप पिवै मोहिं प्यावै ।

परदा दूर करै आँखिन का, ब्रह्म दरस दिखलावै ।

जिस दरसन में सब लोक दरसै, अनहद सब्द सुनावै ।

एक ही सब सुख – दुख दिखलावै, सब्द में सुरत समावै ।

कहै कबीर ताको भय नाही निर्भय पद परसावै ।

आ) i) पठित पदों के आधार पर कबीर की निर्गुणोपासना के महत्व पर प्रकाश डालिए । 5

अथवा

ii) कबीर ने धार्मिक पाखंडों पर किस प्रकार प्रहार किया है ? पठित पदों के आधार पर बताइए । 5

4. अ) आदिकालीन धार्मिक और सांस्कृतिक परिवेश पर प्रकाश डालिए । 10

अथवा

आ) टिप्पणियाँ लिखिए । (5+5=10)

i) वीरगाथा काव्य ।

ii) जैन काव्य ।

5. अ) भक्तिकालीन राजनैतिक परिवेश का चित्रण कीजिए । 10

अथवा

आ) टिप्पणियाँ लिखिए । (5+5=10)

i) कृष्ण काव्य ।

ii) जायसी ।

6. अ) राम काव्य की प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए । 10

अथवा

आ) टिप्पणियाँ लिखिए । (5+5=10)

i) संत काव्य ।

ii) सिद्ध काव्य ।